भारतीय वैश्विक परिषद

समाचार पत्रक

अंक : 34 | जुलाई-सितंबर, 2023

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ ने नवीनीकृत सप्रू हाउस लाइब्रेरी के उद्घाटन हेतु और आईसीडब्ल्यूए अनुसंधान संकाय के साथ बातचीत हेतु 13 सितंबर 2023 को आईसीडब्ल्यूए का दौरा किया।

माननीय विदेश राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने 27 सितंबर 2023 को फिदेल कास्त्रो के भारत दौरे की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में विषय "इंडिया-क्यूबा रिलेशंस प्रेजेंट ट्रेजेक्ट्री एंड वे फारवर्ड" पर पैनल चर्चा में मुख्य भाषण दिया।

44वाँ सप्रूहाउस व्याख्यान महामहिम श्री बुजर उस्मानी, विदेश मामलों के मंत्री, उत्तरी मैसेडोनिया गणराज्य और ओएससीई के चेयरमैन-इन-ऑफ़िस द्वारा 31 अगस्त 2023 को "पॉलिसी ऑफ़ नॉर्थ मैसेडोनिया एंड प्रेसिडेंसी ऑफ़ ओएससीई" विषय पर दिया गया।

43वाँ सप्रू हाउस व्याख्यान महामहिम अब्दुल्ला शाहिद, विदेश मंत्री, मालदीव गणराज्य द्वारा 11 जुलाई 2023 को "द पावर ऑफ़ स्मॉल-द मालदीव स्टोरी" पर दिया गया।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए और प्रोफेसर मोहम्मद फैज़ अब्दुल्ला, अध्यक्ष, इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (आईएसआईएस) मलेशिया ने 8 अगस्त 2023 को कुआलालंपुर में सहयोग हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

विषय-सूची

43वाँ सप्रू हाउस व्याख्यान महामहिम अब्दुल्ला शाहिद, विदेश मंत्री, मालदीव गणराज्य द्वारा, विषय: "द पावर ऑफ़ स्मॉल-द मालदीव्स स्टोरी", 11 जुलाई 2023 4

सप्रू हाउस पेपर (एसएचपी) पर चर्चा, विषय: "जियोपॉलिटिक्स ऑफ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर बिल्डिंग इन साउथ एशिया: कॉज़ेज़ एंड कॉन्सिक्वेंसेस" लेखक डॉ. श्रबाना बरुआ, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, दिनाँक 13 जुलाई 2023 5

कोरिया एसोसिएशन ऑफ़ इंटरनेशनल स्टडीज़ (केएआईएस) के साथ आईसीडब्ल्यूए अनुसंधान संकाय का पारस्परिक विचर-विमर्श, 14 जुलाई 2023 5

हंगेरियन डिप्लोमैटिक अकादमी के मिशन प्रशिक्षण कार्यक्रम 2023 के प्रमुखों के समक्ष राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए द्वारा ऑनलाइन मुख्य व्याख्यान, 14 जुलाई 2023 6

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी के बीच समझौता ज्ञापन होना, 19 जुलाई 2023 7

"इकोनॉमिक रिकवरी ऑफ़ श्रीलंका एंड विज़िट ऑफ़ द प्रेसिडेंट ऑफ़ श्रीलंका एच.ई. रानिल विक्रमसिंघे टू इंडिया" पर क्लोज़-डोर पैनल चर्चा, 26 जुलाई 2023 7

श्री सब्यसाची दत्ता, कार्यकारी निदेशक, एशियन कॉन्फ्लुएंस ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 27 जुलाई 2023 9

भारत में क्यूबा गणराज्य के राजदूत महामहिम श्री एलेजांद्रो सिमंकास मारिन ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 27 जुलाई 2023 9

"नॉन-प्रोलिफरेशन एंड डिसआर्मामेंट इन द एशिया पेसिफ़िक" विषय पर एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) अध्ययन समूह की 10वीं बैठक, 27-28 जुलाई 2023 9

सप्रू हाउस पेपर (एसएचपी) पर चर्चा, लेखक डॉ. टुनचिनमांग लांगेल, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, विषय: द रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया'ज़ (आरओके) फॉरेन पॉलिसी अप्रोच: फ्रॉम न्यू सदर्न पॉलिसी (एनएसपी) टू द इंडो-पेसिफ़िक स्ट्रेटेजी", 28 जुलाई2023 10

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) की स्टीयरिंग समिति की 58वीं बैठक, 8 अगस्त 2023 10

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्ट्रैटजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज़ (आईएसआईएस) मलेशिया के बीच समझौता ज्ञापन का होना, 8 अगस्त 2023 11

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) की 36वीं एशिया प्रशांत गोलमेज बैठक, 9 अगस्त 2023 11

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर के बीच समझौता ज्ञापन का होना, 16 अगस्त 2023 12

6वां आईसीडब्ल्यूए-एशिया न्यूजीलैंड फाउंडेशन (एएनजेडएफ) और न्यूजीलैंड इंडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनजेडआईआरआई) ट्रैक II संवाद, 18 अगस्त 2023 12

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ से मुलाकात की, 23 अगस्त 2023 13

महामहिम श्री बुजर उस्मानी, विदेश मंत्री, उत्तरी मैसेडोनिया गणराज्य और यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) के कार्यालय अध्यक्ष द्वारा "पॉलिसी ऑफ़ नॉर्थ मैसेडोनिया एंड प्रेसिडेंसी ऑफ़ ओएससीई" पर सप्रू हाउस व्याख्यान, 31 अगस्त 2023 14

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ का नवीनीकृत सप्रू हाउस लाइब्रेरी के उद्घाटन हेतु और आईसीडब्ल्यूए अनुसंधान संकाय के साथ बातचीत हेतु आईसीडब्ल्यूए का दौरा, 13 सितंबर 2013 15

आईओआरए द्वारा 28वीं हिंद महासागर रिम अकादमिक समूह (आईओआरएजी) की बैठक केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित की गई, 26-27 सितंबर 2023 16

फिदेल कास्त्रो के भारत दौरे की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में विषय "इंडिया-क्यूबा रिलेशंस प्रेजेंट ट्रेजेक्ट्री एंड वे फारवर्ड" पर पैनल चर्चा, 27 सितंबर 2023 17

आउटरीच कार्यक्रम 18

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु 19

प्रकाशन 20

इंडिया क्वार्टरली - संपादकीय 23

43वाँ सप्रू हाउस व्याख्यान महामहिम अब्दुल्ला शाहिद, विदेश मंत्री, मालदीव गणराज्य द्वारा, विषय: "द पावर ऑफ़ स्मॉल-द मालदीव्स स्टोरी", 11 जुलाई 2023

43वां सप्रू हाउस व्याख्यान "द पावर ऑफ़ स्मॉल-द मालदीव्स स्टोरी" पर महामहिम अब्दुल्ला शाहिद, विदेश मंत्री, मालदीव गणराज्य, 11 जुलाई 2023 को सप्रू हाउस में द्वारा दिया गया था। स्वागत भाषण आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने दिया।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के अध्यक्ष के रूप में महामहिम अब्दुल्ला शाहिद के कार्यकाल की काफी सराहना की गई। जब दुनिया कोविड-19 महामारी के प्रभाव से निपट रही थी, तब उन्होंने आशा की बात की और चुनौतियों का सामना करने के लिए साहस की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी अध्यक्षता ने मालदीव द्वारा बहुपक्षीय और क्षेत्रीय मंचों पर निभाई जाने वाली सकारात्मक भूमिका को सामने लायी है, विशेष रूप से छोटे द्वीप विकासशील देशों (एसआईडीएस) के दृष्टिकोण और चिंताओं को व्यक्त करने में, जिसमें उनकी जलवायु भेद्यता भी शामिल है।

महामहिम अब्दुल्ला शाहिद ने मालदीव की लगभग 58 वर्षों की स्वतंत्र विदेश नीति और अपनाई गई कई सफल रणनीतियों पर विस्तार से बात की। उन्होंने उन रणनीतियों को तीन "पी" कहा, यानी, सैद्धांतिक दृष्टिकोण, व्यावहारिक दृष्टिकोण और प्राथमिकता। उन्होंने कहा, छोटे देशों के लिए, बहुपक्षीय संगठनों में स्वीकार किया जाना - जिनमें से सबसे बड़ा संयुक्त राष्ट्र है - उनकी संप्रभुता और अखंडता का अंतरराष्ट्रीय समर्थन बन जाता है। यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक समान सदस्य के रूप में देश की स्वीकृति बन जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि मालदीव हिंद महासागर का दिल है। रणनीतिक स्थान गंभीर जिम्मेदारी और प्रतिस्पर्धी बाहरी हितों के प्रति गंभीर जोखिम के साथ आता है। उन्होंने यह कहते हुए बात समाप्त की कि मालदीव की कहानी इस यात्रा को दर्शाती है कि कैसे एक छोटे से देश ने अनुकूलन और समायोजन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के खतरों को पार किया। यह दर्शाता है कि कैसे एक छोटा देश बड़े देशों के साथ और वैश्विक सेटिंग में अपनी और दूसरों की तथा अपने हितों की रक्षा कर सकता है।

सप्रू हाउस पेपर (एसएचपी) पर चर्चा, विषय: "जियोपॉलिटिक्स ऑफ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर बिल्डिंग इन साउथ एशिया: कॉज़ेज़ एंड कॉन्सिक्वेंसेस" लेखक डॉ. श्रबाना बरुआ, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, 13 जुलाई 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 13 जुलाई 2023 को डॉ. श्रबाना बरुआ, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए द्वारा "जियोपॉलिटिक्स ऑफ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर बिल्डिंग इन साउथ एशिया: कॉज़ेज़ एंड कॉन्सिक्वेंसेस" विषय पर सप्रू हाउस पेपर चर्चा का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय राजनीति संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र के प्रोफेसर स्वर्ण सिंह ने की। डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए ने परिचयात्मक संबोधन दिया। श्री अमित भंडारी, वरिष्ठ अध्येता, गेटवे हाउस और प्रोफेसर प्रबीर डे, आरआईएस, नई दिल्ली, द्वारा चर्चा की गई।

कोरिया एसोसिएशन ऑफ़ इंटरनेशनल स्टडीज़ (केएआईएस) के साथ आईसीडब्ल्यूए अनुसंधान संकाय का पारस्परिक विचार-विमर्श, 14 जुलाई 2023

आईसीडब्ल्यूए अनुसंधान संकाय ने कोरियाई एसोसिएशन ऑफ़ इंटरनेशनल स्टडीज़ (केएआईएस) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श किया, जिसका नेतृत्व कोरिया नेशनल डिप्लोमैटिक अकादमी (केएनडीए) के एशियाई और प्रशांत अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. चो वोंडेउक ने किया। केएआईएस प्रतिनिधिमंडल में कोरियाई इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंटरनेशनल इकोनॉमिक पॉलिसी (केआईईपी) के आर्थिक और सुरक्षा रणनीति विभाग के निदेशक डॉ. क्वाक सुंगिल; कोरियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिफेंस एनालिसिस (केआईडीए) से डॉ. ली सु-जिन; श्री शिम जेचेओल, सैकेण्ड सेक्रेटरी, रणनीतिक विश्लेषण और समन्वय प्रभाग, एमओएफए; और योनसेई यूनिवर्सिटी से सुश्री चोई सियोयोन शामिल थे।

आईसीडब्ल्यूए की अनुसंधान निदेशक डॉ. निवेदिता रे ने विचार-विमर्श की कार्यवाही का संचालन किया। आईसीडब्ल्यूए से, डॉ. संजीव कुमार, वरिष्ठ शोध अध्येता, डॉ. स्तुति बनर्जी, वरिष्ठ शोध अध्येता, डॉ. टुनचिनमंग लंगेल, शोध अध्येता और डॉ. प्रज्ञा पांडे, शोध अध्येता ने विचार-विमर्श में भाग लिया। चर्चा दक्षिण कोरिया की इंडो-पैसिफिक रणनीति और इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय और रणनीतिक मामलों में भारत-दक्षिण कोरिया सहयोग पर आधारित थी।

हंगेरियन डिप्लोमैटिक अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रम 2023 में मिशन के प्रमुखों के समक्ष राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए द्वारा ऑनलाइन मुख्य व्याख्यान, 14 जुलाई 2023

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने 14 जुलाई 2023 को हंगेरियन डिप्लोमैटिक अकादमी की अध्यक्ष सुश्री ओरसोल्या पैक्से-टॉमासिच के निमंत्रण पर हंगेरियन डिप्लोमैटिक अकादमी के हंगेरियन मिशन प्रमुखों के प्रशिक्षण कार्यक्रम 2023 में वर्चुअली मुख्य व्याख्यान दिया।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी के बीच समझौता ज्ञापन, 19 जुलाई 2023

19 जुलाई 2023 को, भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी ने अंतरराष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान के विस्तार के अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 04 जुलाई 2023 को आईआईटी गुवाहाटी के दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन के दौरान आईआईटी गुवाहाटी के साथ आईसीडब्ल्यूए के एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की थी। एमओयू का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर सहमत विषयों पर अध्ययन और सेमिनार आयोजित करना होगा।

"इकोनॉमिक रिकवरी ऑफ़ श्रीलंका एंड विज़िट ऑफ़ द प्रेसिडेंट ऑफ़ श्रीलंका एच.ई. रानिल विक्रमसिंघे टू इंडिया" पर क्लोज़-डोर पैनल चर्चा, 26 जुलाई 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 26 जुलाई2023 को सप्रू हाउस में "इकोनॉमिक रिकवरी ऑफ़ श्रीलंका एंड विज़िट ऑफ़ द प्रेसिडेंट ऑफ़ श्रीलंका एच.ई. रानिल विक्रमसिंघे टू इंडिया" पर एक क्लोज़-डोर पैनल चर्चा का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भारत में श्रीलंका के उच्चायुक्त महामहिम श्री मिलिंडा मोरागोडा उपस्थित थे। इसकी अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की। श्रीलंका में भारत के पूर्व उच्चायुक्त राजदूत अशोक कांथा और राजदूत मोहन कुमार, अंतर्राष्ट्रीय मामलों और वैश्विक पहल कार्यालय के प्रोफेसर और डीन, जिंदल स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल अफेयर्स, ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत और बहरीन और फ्रांस में भारत के पूर्व राजदूत ने चर्चा की।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने कहा कि जुलाई 2023 में राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की भारत यात्रा के दौरान शिखर सम्मेलन स्तर पर "कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना, समृद्धि को उत्प्रेरित करना: भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी विजन" शीर्षक वाला विज़न दस्तावेज़ अपनाया गया, यह दूरदर्शी था क्योंकि इसमें समुद्री, व्यापार, ऊर्जा, वायु, अर्थव्यवस्था, डिजिटल कनेक्टिविटी और लोगों से लोगों का संपर्क जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कनेक्टिविटी की परिकल्पना की गई है।

भारत में श्रीलंका के उच्चायुक्त महामहिम श्री मिलिंडा मोरागोडा ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के भारत दौरे के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आर्थिक संकट के दौरान समर्थन और 3.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर प्रदान करने के लिए भारतीय प्रधान मंत्री को धन्यवाद दिया, क्योंकि इसने श्रीलंका को अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने में मदद की और आर्थिक संकट से लोगों की जान भी बचाई। उन्होंने विश्वास और भरोसा कायम करने में भारतीय नेतृत्व की भूमिका का उल्लेख किया। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल ने आगे के सहयोग पर चर्चा करने और व्यक्तिगत संबंध बनाने के लिए श्रीलंका के राष्ट्रपति को प्रत्येक के लिए अलग बैठक के लिए आमंत्रित किया था। राजदूत ने दोनों अर्थव्यवस्थाओं को एकीकृत करने के लिए आगे का रास्ता तैयार किया। उन्होंने कहा कि, चूंकि भारत श्रीलंका की आर्थिक स्थिरता के चरण का हिस्सा था, इसलिए यह जरूरी है कि भारत भी इसके रिकवरी चरण का हिस्सा हो। राजदूत अशोक कांथा ने भारत और श्रीलंका की अर्थव्यवस्थाओं को एकीकृत करने पर जोर दिया और मानव संसाधन, रणनीतिक स्थान, भूगोल और समुद्री मार्गों से निकटता के संबंध में श्रीलंका की ताकत पर जोर दिया। राजदूत मोहन कुमार ने राष्ट्रवाद के मुद्दे और भारत व श्रीलंका के बीच चीन और तमिल मुद्दे पर एक ईमानदार बातचीत की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

श्री सब्यसाची दत्ता, कार्यकारी निदेशक, एशियन कॉन्फ्लुएंस ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 27 जुलाई 2023

एशियन कॉन्फ्लुएंस के कार्यकारी निदेशक, श्री सब्यसाची दत्ता ने संस्थागत सहयोग और पारस्परिक हित के विषयों पर चर्चा करने के लिए 27 जुलाई 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की।

भारत में क्यूबा गणराज्य के राजदूत महामहिम श्री एलेजांद्रो सिमंकास मारिन ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 27 जुलाई 2023

भारत में क्यूबा गणराज्य के राजदूत महामहिम श्री एलेजांद्रो सिमांकास मारिन ने भारत-क्यूबा द्विपक्षीय संबंधों और शैक्षणिक सहयोग पर चर्चा करने के लिए 27 जुलाई 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की।

"नॉन-प्रोलिफरेशन एंड डिसआर्मामेंट इन द एशिया पेसिफ़िक" विषय पर एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) अध्ययन समूह की 10वीं बैठक, 27-28 जुलाई 2023

"नॉन-प्रोलिफरेशन एंड डिसआर्मामेंट इन द एशिया पेसिफ़िक" पर एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) अध्ययन समूह की 10वीं बैठक 27-28 जुलाई 2023 को बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित की गई। डॉ. राजीव नयन, वरिष्ठ अनुसंधान सहयोगी, एमपी-आईडीएसए, सीएससीएपी-भारत के प्रतिनिधि थे।

सप्रू हाउस पेपर (एसएचपी) पर चर्चा, विषय: "द रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया'ज़ (आरओके) फॉरेन पॉलिसी अप्रोच: फ्रॉम न्यू सदर्न पॉलिसी (एनएसपी) टू द इंडो-पेसिफ़िक स्ट्रेटेजी", लेखक डॉ. टुनचिनमांग लांगेल, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, दिनाँक, 28 जुलाई 2023

28 जुलाई 2023 को, आईसीडब्ल्यूए के शोध अध्येता डॉ. टुनचिनमांग लांगेल ने "द रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया'ज़ (आरओके) फॉरेन पॉलिसी अप्रोच: फ्रॉम न्यू सदर्न पॉलिसी (एनएसपी) टू द इंडो-पेसिफ़िक स्ट्रेटेजी" पर अपना सप्रू हाउस पेपर प्रस्तुत किया। कोरिया गणराज्य और उज़्बेकिस्तान के पूर्व राजदूत, राजदूत स्कंद आर. तायल ने चर्चा की कार्यवाही की अध्यक्षता की और दो चर्चाकर्ताओं, डॉ. संदीप कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, सेंटरफ़ॉर ईस्ट एशियन स्टडीज स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू, और प्रोफेसर वोंगी चो, प्रमुख, सेंटरफ़ॉर आसियान-इंडिया स्टडीज़, कोरिया नेशनल डिप्लोमैटिक एकेडमी (केएनडीए) ने पेपर पर अपनी टिप्पणियाँ और प्रतिक्रिया दीं।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) की स्टीयरिंग समिति की 58वीं बैठक, 8 अगस्त 2023

8 अगस्त 2023 को, राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, 58वीं सीएससीएपी की स्टीयरिंग समिति की बैठक में शामिल हुए। बैठक में, कनाडा के एशिया पैसिफिक फाउंडेशन के अनुसंधान प्रबंधक डॉ. चार्ल्स लैब्रेक के नेतृत्व में सीएससीएपी कनाडा को गैर-आसियान सह-अध्यक्ष नियुक्त किया गया और प्रोफेसर मोहम्मद को गैर-आसियान सह-अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सीएससीएपी मलेशिया के आईएसआईएस मलेशिया के अध्यक्ष फैज़ अब्दुल्ला को सीएससीएपी इंडोनेशिया से पदभार ग्रहण करते हुए नए आसियान सह-अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। वित्त के संबंध में; और अप्रसार व निरस्त्रीकरण (एनपीडी), अंतर्राष्ट्रीय कानून और साइबरस्पेस, नियम-आधारित आदेश, पूर्वोत्तर एशिया की भू-राजनीति, महिला, शांति और सुरक्षा, एशिया और महामारी पर अध्ययन समूहों तथा सीएससीएपीआर क्षेत्रीय सुरक्षा आउटलुक पर चर्चाएँ हुईं।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और इंस्टीट्यूट ऑफ़ स्ट्रैटजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज़ (आईएसआईएस) मलेशिया के बीच समझौता ज्ञापन, 8 अगस्त 2023

आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने मलेशिया में भारत के उच्चायुक्त महामहिम बी.एन.रेड्डी की उपस्थिति में, प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैज़ अब्दुल्ला, अध्यक्ष, आईएसआईएस मलेशिया के साथ 8 अगस्त 2023 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन सहयोगात्मक गतिविधियों के लिए एक संस्थागत ढांचा प्रदान करता है, जो भारत-मलेशिया संबंधों को और मजबूत करने में योगदान देगा।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) की 36वीं एशिया प्रशांत गोलमेज बैठक, 9 अगस्त 2023

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, डॉ. टुनचिनमांग लंगेल, रिसर्च फेलो, आईसीडब्ल्यूए के साथ, परिषद की ओर से प्रतिनिधियों के रूप में एशिया-प्रशांत गोलमेज (एपीआर) सम्मेलन के 36वें संस्करण में शामिल हुए। यह आईएसआईएस मलेशिया द्वारा कुआलालंपुर में 8 से 10 अगस्त 2023 तक आयोजित किया गया था। 36वें एपीआर का विषय था "रणनीतिक अनिश्चितता का युग"। गोलमेज का आयोजन आईएसआईएस मलेशिया द्वारा आसियान-आईएसआईएस नेटवर्क के सहयोग से किया गया था, जिसमें दक्षिण पूर्व एशिया के प्रमुख थिंक टैंक शामिल थे। गोलमेज बैठक में जिन विषयों पर चर्चा हुई वे हैं क्षेत्र पर वैश्विक घटनाओं का प्रभाव, आसियान जैसे बहुपक्षीय तंत्र का महत्व, जिसे अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों की स्थापना और कायम रखने के प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता, क्षेत्रीय समूहों और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों के बीच सहयोग की आवश्यकता, और क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर के बीच समझौता ज्ञापन, 16 अगस्त 2023

16 अगस्त 2023 को, भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान के विस्तार के अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 23 जून 2023 को एमएनआईटी, जयपुर का दौरा किया और एमएनआईटी, जयपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की। एमओयू का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर सहमत विषयों पर अध्ययन और सेमिनार आयोजित करना होगा।

6वां आईसीडब्ल्यूए-एशिया न्यूजीलैंड फाउंडेशन (एएनजेडएफ) और न्यूजीलैंड इंडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनजेडआईआरआई) ट्रैक II संवाद, 18 अगस्त 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 18 अगस्त 2023 को सप्रू हाउस में "छठी भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए)-एशिया न्यूजीलैंड फाउंडेशन (एएनजेडएफ) और न्यूजीलैंड इंडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनजेडआईआरआई) ट्रैक II संवाद" का आयोजन किया। उद्घाटन सत्र में, राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, और प्रोफेसर डेविड कैपी, निदेशक, एनजेडआईआरआई, सेंटरफ़ॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेलिंग्टन ने संबोधित किया। भारत में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त महामहिम श्री डेविड पाइन और न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त महामहिम सुश्री नीता भूषण ने भी व्याख्यान दिए।

सत्र 1 "विकसित वैश्विक और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक परिदृश्य" पर सत्र की अध्यक्षता राजदूत गीतेश सरमा, पूर्व सचिव पश्चिम, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने की। प्रोफेसर डेविड कैपी, निदेशक, एनजेडआईआरआई, सेंटरफ़ॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेलिंगटन; डॉ. मंजीत परदेसी, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ़ हिस्ट्री, फिलॉसफी, पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेलिंगटन; प्रो. संजय चतुर्वेदी, प्रो. और डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत; और कैप्टन सरबजीत परमार, डिस्टिंगग्विश्ट फेलो, यूएसआई, वक्ता थे। यह सत्र यूक्रेन संकट, इसके प्रभाव और महान शक्ति स्पर्धा के आलोक में बदलती वैश्विक भू-राजनीतिक गतिशीलता पर केंद्रित था। दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में जारी चीनी आक्रामकता, कोरियाई प्रायद्वीप की स्थिति और दक्षिण प्रशांत में चीन के आक्रामक व्यवहार सहित भारत-प्रशांत क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विकास पर चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने अपने इंडो-पैसिफिक दृष्टिकोण के बीच समाभिरूपता पर विचारों का आदान-प्रदान किया और अपने-अपने पड़ोस में उभरते मुद्दों का मूल्यांकन किया।

सत्र 2 "हमारी अर्थव्यवस्थाओं को सुरक्षित करना और जुड़े रहना - प्रमुख शक्ति आर्थिक, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और न्यूजीलैंड-भारत सहयोग को बढ़ाने के अवसरों का मुकाबला करना" की अध्यक्षता प्रोफेसर डेविड कैपी, निदेशक, एनजेडआईआरआई, सेंटरफ़ॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज़, विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ़ वेलिंगटन ने की। डॉ. चैतन्य गिरि, एसोसिएट प्रोफेसर, फ्लेम यूनिवर्सिटी; डॉ. निशा तनेजा, प्रो. आईसीआरआईईआर; सुश्री ट्रेसी एप्स, कानून और व्यापार विशेषज्ञ; और सुज़ाना जेसेप, निदेशक, एशिया न्यूजीलैंड फाउंडेशन और भारत में मिशन के पूर्व उप प्रमुख, वक्ता थे। सत्र में व्यापार और तकनीक की दुनिया और प्रमुख शक्ति आर्थिक प्रतिस्पर्धा, यूक्रेन संकट, व्यापार, तकनीक और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता भारत और न्यूजीलैंड को कैसे प्रभावित कर रही है, इस पर चर्चा की गई। जब विविधीकरण रणनीतियों और करीबी आर्थिक संबंधों की बात आती है और जलवायु परिवर्तन, लोगों से लोगों के आदान-प्रदान, प्रशांत विकास और महामारी के बाद की वसूली के क्षेत्रों में भी दोनों पक्षों ने एक साथ काम करने के तरीकों की खोज की।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ से मुलाकात की, 23 अगस्त 2023

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने 23 अगस्त 2023 को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और आईसीडब्ल्यूए द्वारा प्रकाशित "ग्लोबल रिव्यू 2022" की एक प्रति भेंट की।

महामहिम श्री बुजर उस्मानी, विदेश मंत्री, उत्तरी मैसेडोनिया गणराज्य और यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) के कार्यालय अध्यक्ष द्वारा "पॉलिसी ऑफ़ नॉर्थ मैसेडोनिया एंड प्रेसिडेंसी ऑफ़ ओएससीई" पर सप्रू हाउस व्याख्यान, 31 अगस्त 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 31 अगस्त2023 को सप्रूहाउस में महामहिम श्री बुजर उस्मानी, विदेश मामलों के मंत्री, उत्तरी मैसेडोनिया गणराज्य और ओएससीई के कार्यालय अध्यक्ष द्वारा "पॉलिसी ऑफ़ नॉर्थ मैसेडोनिया एंड प्रेसिडेंसी ऑफ़ ओएससीई" पर 44वें सप्रू हाउस व्याख्यान का आयोजन किया।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में यह बात कही कि भारत के बाल्कन देशों के साथ गहरे संबंध हैं। 1991 में उत्तरी मैसेडोनिया के यूगोस्लाविया से स्वतंत्र होने के बाद, भारत मैसेडोनिया के पूर्व यूगोस्लाव गणराज्य के प्रवेश के लिए यूएनजीए में प्रस्ताव के 40 सह-प्रायोजकों में से एक था। दोनों देशों के बीच वर्षों से ऐतिहासिकता के आधार पर मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। उत्तरी मैसेडोनिया ने भारतीय संस्कृति में गहरी रुचि व्यक्त की है। एक बड़ा देश और बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के नाते, भारत खाद्य सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में उत्तरी मैसेडोनिया के साथ सहयोग कर सकता है। उत्तरी मैसेडोनिया की यूरोपीय संघ की सदस्यता से भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि उत्तरी मैसेडोनिया चुनौतीपूर्ण समय के दौरान ओएससीई की अध्यक्षता कर रहा है जब वैश्विक संकट एक आवर्ती घटना है और यूक्रेन संघर्ष ने आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के कारण यूरोपीय और वैश्विक सुरक्षा पर प्रभाव डाला है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संघर्ष के बजाय कूटनीति और संवाद का समर्थन करते हैं।

महामहिम बुजर उस्मानी ने उत्तरी मैसेडोनिया और ओएससीई की प्रेसीडेंसी की नीति पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि भौगोलिक रूप से बहुत दूर होने के बावजूद, भारत और उत्तरी मैसेडोनिया एक मजबूत महिला, मदर टेरेसा, उत्तरी मैसेडोनिया की अल्बानियाई, की विरासत से निकटता से जुड़े हुए हैं, जिन्होंने भारत में अपने महान मिशन को आगे बढ़ाया, जरूरतमंदों की प्रेम और विनम्रता के साथ सेवा की। दोनों देशों में रोमा समुदाय भी एक साझा संबंध है, जो भारत से अपनी जड़ों और उत्पत्ति पर गर्व करते हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध केवल यूक्रेन के लोगों के लिए चिंता का विषय नहीं है, इससे विश्व शांति को खतरा है। उन्होंने आग्रह किया कि ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के सदस्य के रूप में, भारत को इस युद्ध को समाप्त करने में सहायता करने के लिए अपने स्वयं के साधनों और

उपकरणों का उपयोग करना चाहिए, और रूस को क़ानून का पालन करने वाले राष्ट्रों के परिवार में वापस लाना चाहिए। बहुपक्षवाद के प्रति उत्तरी मैसेडोनिया के समर्थन को रेखांकित करते हुए, उन्होंने कहा कि देश संयुक्त राष्ट्र चार्टर में निहित मूल्यों और सिद्धांतों से दृढ़ता से जुड़ा हुआ है। अंत में उन्होंने कहा कि, उत्तरी मैसेडोनिया सर्बिया और कोसोवो के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष श्री जगदीप धनखड़ का नवीनीकृत सप्रू हाउस लाइब्रेरी के उद्घाटन हेतु और आईसीडब्ल्यूए अनुसंधान संकाय के साथ बातचीत हेतु आईसीडब्ल्यूए का दौरा, 13 सितंबर 2013

13 सितंबर 2023 को, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष ने भारतीय विश्व मामलों की परिषद की पुनर्निर्मित लाइब्रेरी का उद्घाटन किया और आईसीडब्ल्यूए अनुसंधान संकाय को संबोधित किया।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने आईसीडब्ल्यूए के अनुसंधान स्कॉलर्स से "भारत के बारे में समय-समय पर फैलाई जाने वाली खतरनाक, भयावह कहानियों" का मुकाबला करने में सबसे आगे रहने का आग्रह किया। ऐसे नेरेटिव्स के गहन विश्लेषण की आवश्यकता पर बल देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा, "केवल हमारी संवैधानिक संस्थाओं को कलंकित करने, धूमिल करने, अपमानित करने और नष्ट करने की ऐसी तैयार की गई रणनीति को बेअसर करने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है।"

इस बात पर जोर देते हुए कि भारत इतिहास के एक निर्णायक क्षण में है, उपराष्ट्रपति ने अनुसंधानकर्ताओं से लोगों को राष्ट्र की उपलब्धियों से अवगत कराने का आग्रह किया। उन्होंने रेखांकित किया, " आप देश के हर बाहरी व्यक्ति के लिए और दुनिया के हर भारतीय नागरिक के लिए “खिड़की” हैं।"

उस दिन सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए के अनुसंधान संकाय को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत की भूमिका की व्यापक सराहना की और हाल ही में संपन्न जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की सफलता का उल्लेख किया।“ भारत का G20 की अध्यक्षता एक बड़ी उपलब्धि थी। इसने वैश्विक सहमति उत्पन्न की। एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरते हुए भारत की सभी पक्षों में वैध, उचित मान्यता थी, ”उन्होंने कहा।

वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डालते हुए, उपराष्ट्रपति ने भारत की "फ्रैजाइल फाइव" का हिस्सा बनने से लेकर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक की यात्रा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भारत में हो रही कुछ उपलब्धियां एक समय दुनिया के लिए कल्पना से परे लगती थीं।उन्होंने विस्तार से बताया, "वे कभी सोच भी नहीं सकते कि धर्म, जाति, पंथ और भाषा की विविधता वाले देश में ऐसा हो सकता है।"

आईओआरए द्वारा 28वीं हिंद महासागर रिम अकादमिक समूह (आईओआरएजी) की बैठक, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित की गई, 26-27 सितंबर 2023

आईओआरएजी के अध्यक्ष के रूप में दक्षिण अफ्रीका ने 26-27 सितंबर 2023 को केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में 28वीं हिंद महासागर रिम अकादमिक समूह (आईओआरएजी) बैठक का आयोजन किया, ताकि आईओआरए सदस्य देशों, डायलॉग पार्टनर्स और ऑब्जर्वर्स के भीतर शिक्षा जगत के बीच चर्चा को सुविधाजनक बनाया जा सके। बैठक में आईसीडब्ल्यूए की अनुसंधान निदेशक डॉ. निवेदिता रे ने भाग लिया। 19-24 जून 2023 को मॉरीशस में आयोजित 'आईओआरए के 25 वर्ष - चिंतन, समीक्षा और नवीनीकरण' और 'आईओआरए के अफ्रीकी सदस्य देशों की इंडो-पैसिफिक कॉन्सेप्ट आउटलुक पर प्रतिक्रिया' पर उच्च स्तरीय रणनीतिक वार्ता के बाद, 28वीं आईओआरएजी बैठक में बैठकों के परिणामों और सिफारिशों को लागू करने के लिए व्यवहार्य गतिविधियों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। आईओआरए अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने और नीति निर्माताओं को प्रासंगिक अनुसंधान परिणामों को संप्रेषित करने के लिए आईओआरएजी एक मंच के रूप में आईओआरए का बेहतर उपयोग कैसे कर सकता है, इस पर भी चर्चा की गई।

फिदेल कास्त्रो के भारत दौरे की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में विषय "इंडिया-क्यूबा रिलेशंस प्रेजेंट ट्रेजेक्ट्री एंड वे फारवर्ड" पर पैनल चर्चा, 27 सितंबर 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 27 सितंबर 2023 को सप्रू हाउस में फिदेल कास्त्रो के भारत दौरे की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में विषय "इंडिया-क्यूबा रिलेशंस प्रेजेंट ट्रेजेक्ट्री एंड वे फारवर्ड" पर एक पैनल चर्चा की मेजबानी की। भारत सरकार की माननीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें उन्होंने भारत और क्यूबा के बीच गहरे और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख किया। दिल्ली में क्यूबा के राजदूत महामहिम श्री एलेजांद्रो सिमांकस मारिन ने अपने विशेष संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि दोनों देशों के बीच संबंध मित्रता, सहयोग, आपसी सम्मान, एकजुटता और सभी साझा सिद्धांतों और मूल्यों के आधार पर आधारित हैं।

चर्चा के लिए पैनल के सदस्यों में शामिल थे - राजदूत भास्कर बालकृष्ण, क्यूबा में भारत के पूर्व राजदूत, और प्रोफेसर सोनिया सुरभि गुप्ता, प्रोफेसर, लैटिन अमेरिकी अध्ययन, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली, जिन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डाला और विशेष रूप से पर्यटन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स आदि में भविष्य के सहयोग के कुछ प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

आउटरीच कार्यक्रम

प्री-डिपार्चर ओरिएंटेशन पर प्रशिक्षकों की प्रशिक्षण कार्यशाला, 3-4 अगस्त 2023

3-4 अगस्त 2023 को चंडीगढ़, पंजाब में " प्री-डिपार्चर ओरिएंटेशन पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण" पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. सुरभि सिंह, वरिष्ठ शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए और प्रमुख, सेंटरफ़ॉर माइग्रेशन, मोबिलिटी एंड डायस्पोरा स्टडीज़ ने भारत के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ इस कार्यशाला में प्रशिक्षकों को प्रशिक्षत किया।

हिंदी में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी " आजादी के अमृत महोत्सव काल में भारत-चीन संबंध", 7-8 सितंबर 2023

अपने विश्वविद्यालय आउटरीच कार्यक्रम के तहत, आईसीडब्ल्यूए ने 7-8 सितंबर 2023 को हाइब्रिड प्रारूप में आरएस पीजी कॉलेज, रुद्रपुर, यूपी द्वारा आयोजित " आजादी के अमृत काल में भारत-चीन संबंध" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहयोग किया। डॉ. संजीव कुमार, वरिष्ठ शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए ने सेमिनार में भाग लिया और परिषद का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए ने जाक़िर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत-दक्षिण अफ्रीका संगोष्ठी में एक पैनल सदस्य के रूप में भाग लिया, 14 सितंबर 2023

डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए ने 14 सितंबर 2023 को जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "भारत-दक्षिण अफ्रीका @ जी20: समाभिरूपता और चिंताएं" विषय पर भारत-दक्षिण अफ्रीका संगोष्ठी में एक पैनल सदस्य के रूप में भाग लिया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "असेसिंग इंडिया'ज़ एक्ट ईस्ट पॉलिसी इन स्ट्रेटेजिक फ्रेमवर्क ऑफ़ इंडो-पैसिफिक", 14-15 सितंबर 2023

डॉ. श्रीपति नारायणन, शोध अध्येता, आईसीडब्ल्यूए ने 14-15 सितंबर 2023 को कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, नलबाड़ी, असम द्वारा "असेसिंग इंडिया'ज़ एक्ट ईस्ट पॉलिसी इन स्ट्रेटेजिक फ्रेमवर्क ऑफ़ इंडो-पैसिफिक" विषय पर आयोजित एक सेमिनार में भाग लिया।

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु

श्री अभिषेक कुमार
पांडिचेरी विश्वविद्यालय

माहिर सचदेवा
किंग्स कॉलेज लंदन,
यूनिवर्सिटी ऑफ़ लंदन

सुश्री बंतीरानी पात्रो
दिल्ली विश्वविद्यालय

विजय आनंद पाणिग्रही
पांडिचेरी विश्वविद्यालय

भारतीय वैश्विक परिषद प्रकाशन

मुद्दा संक्षिप्त

1. डॉ. अन्वेषा घोष, आंतरिक दरार की अटकलों के बीच नए तालिबान प्रधान मंत्री की नियुक्ति (04 जुलाई 2023)
2. डॉ. सुरभि सिंह, जर्मनी में आप्रवासन सुधार और भारत के लिए अवसर (04 जुलाई 2023)
3. डॉ. हिमानी पंत, रूस में वैगनर ग्रुप विद्रोह: चालक और निहितार्थ (04 जुलाई 2023)
4. डॉ. पुनित गौड़, ईयू-मध्य एशिया बैठक: बदलती क्षेत्रीय गतिशीलता में समाभिरूपता की खोज (05 जुलाई 2023)
5. एलिना घोष, इंडो-पैसिफिक में चीन का प्रभाव: अमेरिकी सहयोगियों की प्रतिक्रियाएँ (14 जुलाई 2023)
6. राजन साई सुकृत, अमेरिका-चीन चिप युद्ध (14 जुलाई 2023)
7. डॉ. तेशु सिंह, आर्कटिक में चीन का प्रवेश (17 जुलाई 2023)
8. डॉ. गौरी नारायण माथुर, पश्चिमी साहेल में हिंसक उग्रवाद (17 जुलाई 2023)
9. अल्फी जोसेफ, क्वाड समिट 2023 और अंडरसी केबल्स (19 जुलाई 2023)
10. अवनी सबलोक, एसडीजी 17 लक्ष्यों के लिए साझेदारी - भारत का दृष्टिकोण और पहल (21 जुलाई 2023)
11. वरुणा शंकर, जापान में नाटो संपर्क कार्यालय का महत्व (21 जुलाई 2023)
12. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, राष्ट्रपति लूला के अधीन ब्राज़ील की विदेश नीति का नवीनीकरण (24 जुलाई 2023)
13. यशवी बारोट, पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र में द्वीप देशों के साथ अतिरिक्त-क्षेत्रीय शक्तियों की बढ़ती भागीदारी को समझना (25 जुलाई 2023)
14. डॉ. टुनचिनमांग लांगेल, जापान का सुदृढ़ीकरण और विस्तार और नाटो के साथ कोरिया गणराज्य की साझेदारी (31 जुलाई 2023)
15. डॉ. स्तुति बनर्जी, ट्रान्साटलांटिक साझेदारी: समान चिंताएँ लेकिन भिन्न दृष्टिकोण (03 अगस्त 2023)
16. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, लैटिन अमेरिका के प्रति चीन का दृष्टिकोण (17 अगस्त 2023)
17. डॉ. अतहर ज़फ़र, उज़्बेकिस्तान के राष्ट्रपति की ईरान यात्रा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं को बढ़ावा (28 अगस्त 2023)
18. डॉ. समता मल्लेम्पति, मालदीव राष्ट्रपति चुनाव सितंबर 2023: उम्मीदवार, प्रतिज्ञाएं और संभावित परिणाम (30 अगस्त 2023)
19. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, अर्जेंटीना में चुनाव - एक सिंहावलोकन (31 अगस्त 2023)
20. निखिल गुव्वाडी, मिस्र का जल, भोजन और ऊर्जा सुरक्षा गठजोड़: चुनौतियाँ और अवसर (04 सितंबर 2023)
21. डॉ. सुरभि सिंह, यूक्रेन शरणार्थी संकट और यूरोप में जनसांख्यिकी प्रश्न (15 सितंबर 2023)
22. डॉ. टुनचिनमांग लांगेल, किम जोंग-उन की रूस यात्रा 2023 की डिकोडिंग (20 सितंबर 2023)
23. डॉ. चंदर शेखर, मेकांग उप-क्षेत्र में राजनीतिक वास्तविकताओं को उजागर करना और मेकांग-गंगा सहयोग पहल को मजबूत करना (27 सितंबर 2023)
24. डॉ. अतहर ज़फ़र, क्या यह दक्षिण काकेशस में अस्थिरता बनी हुई है या स्थिरता की ओर एक कदम है? (27 सितंबर 2023)

दृष्टिकोण

1. डॉ. श्रीपति नारायणन, भारत, दक्षिण चीन सागर और भारत-प्रशांत क्षेत्र (07 जुलाई 2023)
2. डॉ. अरशद, पश्चिम एशिया में नया संयुक्त रेलवे नेटवर्क (17 जुलाई 2023)
3. सौम्या वी, अफ्रीका में रूस (20 जुलाई 2023)
4. आदित्य चौहान, यूक्रेन संकट: चौराहे पर मोल्दोवा (20 जुलाई 2023)
5. तरवीन कौर, कोरिया की प्रशांत धुरी: उद्घाटन कोरिया-प्रशांत द्वीप समूह शिखर सम्मेलन 2023 (20 जुलाई 2023)
6. आदित्य कुमार, चीन का घटता जनसांख्यिकीय लाभांश (25 जुलाई 2023)
7. डॉ. श्रीपति नारायणन, 56वीं आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक (03 अगस्त 2023)
8. डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी, क्या तुर्किये मिस्र की खातिर एमबीएच छोड़ने की राह पर हैं? एक सिंहावलोकन (04 अगस्त 2023)
9. डॉ. हिमानी पंत, अफ्रीका तक रूस की आउटरीच (04 अगस्त 2023)
10. डॉ. तेशु सिंह, विदेश संबंधों पर चीन के कानून को समझना (07 अगस्त 2023)
11. डॉ. लक्ष्मी प्रिया, खाड़ी गैस क्षेत्र विवाद: संभावित परिदृश्य (10 अगस्त 2023)
12. डॉ. श्रबाना बरुआ, यूक्रेन के विदेश मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा का विश्लेषण (14 अगस्त 2023)
13. डॉ. अरशद, पश्चिम एशिया के ऊर्जा क्षेत्र में बदलती गतिशीलता (16 अगस्त 2023)
14. डॉ. संजीव कुमार, क्या चीन की अर्थव्यवस्था संरचनात्मक मंदी का अनुभव कर रही है? (25 अगस्त 2023)
15. डॉ. गौरी नारायण माथुर, नाइजर में सैन्य तख्तापलट: क्षेत्रीय और वैश्विक प्रतिक्रियाएँ (25 अगस्त 2023)
16. डॉ. अतहर ज़फ़र, मध्य एशिया में पहले उप-क्षेत्रीय त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन पर एक परिप्रेक्ष्य (28 अगस्त 2023)
17. डॉ. टुनचिनमांग लांगेल, कैंप डेविड में जापान-आरओके-यूएस त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन (29 अगस्त 2023)
18. अवनि सबलोक, आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन की भूमिका की जांच (सीडीआरआई) (14 सितंबर 2023)
19. डॉ. अरशद, ट्यूनीशिया और यूरोपीय संघ ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी पैकेज पर राजनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए: एक अवलोकन (15 सितंबर 2023)
20. डॉ. चन्द्र शेखर, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष की फिलीपींस यात्रा की जांच (18 सितंबर 2023)
21. डॉ. अन्वेषा घोष, चीन द्वारा अफगानिस्तान में नए राजदूत की नियुक्ति - एक महत्वपूर्ण कदम या सामान्य रोटेशन? (20 सितंबर 2023)
22. डॉ. गौरी नारायण माथुर, अफ्रीका तक ईरान की पहुंच: प्रभाव की खोज (21 सितंबर 2023)
23. डॉ. तेशु सिंह, चीन और जी-20 शिखर सम्मेलन 2023 (27 सितंबर 2023)
24. अवनि सबलोक, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन: जैव ऊर्जा पहुंच को अनलॉक करना (27 सितंबर 2023)

आईसीडब्ल्यूए अतिथि कॉलम

राजदूत अरुण के. सिंह, प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली और प्रो. चिंतामणि महापात्रा, "यूएस-चायना स्ट्रेटेजिक कॉन्टेस्टेशन: आस्पेक्ट्स एंड प्रोस्पेक्ट्स" (12 जुलाई 2023)

विशेष रिपोर्ट

डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी, ओआईसी पर एक आकलन: क्या यह अब भी प्रासंगिक है? (30 अगस्त 2023)

सप्रू हाउस शोधपत्र

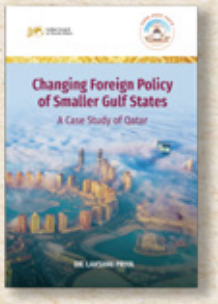

Changing Foreign Policy of Smaller Gulf States: A Case Study of Qatar

By Dr. Lakshmi Priya,

(Indian Council of World Affairs 2023)

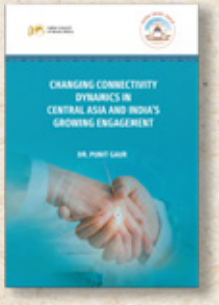

Changing Connectivity Dynamics in Central Asia and India's Growing Engagement

By Dr. Punit Gaur,

(Indian Council of World Affairs 2023)

विशेष प्रकाशन

"US-China Strategic Contestation: Aspects and Prospects"

By Ambassador Arun K. Singh, Prof. Srikanth Kondapalli and Prof. Chintamani Mahapatra,

(12 July 2023)

भारतीय वैश्विक परिषद पुस्तकें

India's Development Partnership: Expanding Vistas

Edited by Nutan Kapoor Mahawar and Dhrubajyoti Bhattacharjee,

(Indian Council of World Affairs; KW Publishers, 2023)

आईसीडब्ल्यूए ग्लोबल रिव्यू 2022

(भारतीय वैश्विक परिषद्; केडब्ल्यू प्रकाशक, 2023)

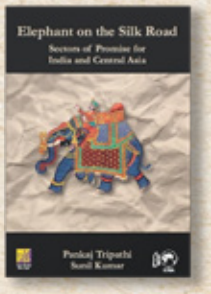

Elephant on The Silk Road: Sectors of Promise For India And Central Asia

By Pankaj Tripathi and Sunil Kumar

(12 July 2023)

इण्डिया क्वार्टरली, ए जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स
खंड 79, अंक 3, सितंबर 2023

संपादकीय

इंडिया क्वार्टरली का यह अंक क्षेत्रीय चिंताओं, बढ़ती रणनीतिक साझेदारी, वैश्विक संस्थानों के सुधार और देशों और गैर- देशीय एजेंसियों के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर केंद्रित लेखों का एक विस्तृत मेनू प्रदान करता है।

भारत के लिए, पाकिस्तान में संकट ने क्षेत्र की स्थिरता के लिए मौलिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। इसके अकल्पनीय रणनीतिक और आर्थिक परिणामों को देखते हुए, एक विफल पाकिस्तानी राज्य किसी की पसंद का नहीं है। पाकिस्तान का "गहरा आर्थिक संकट, राजनीतिक पंगुता और फिर से उभरता आतंकी खतरा", और विदेशों में दोस्तों और साझेदारों के साथ इसकी घटती बढ़त केवल गहरी चिंता का विषय हो सकती है। सेना और धर्म के बीच गठजोड़ को देखते हुए यह संकट जारी रहने की संभावना है, साथ ही दोनों से भारत को संभावित खतरे भी होंगे। जैसे-जैसे घटनाएँ सामने आ रही हैं, भारत को अपने पड़ोसियों के प्रतिस्पर्धी रणनीतिक दावों का उत्तर देने की ज़रूरत सबसे ऊपर है। इसलिए, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ लॉजिस्टिक एक्सचेंज मेमोरेंडम जैसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा समझौतों का उद्देश्य क्षेत्र और बड़े इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में क्षमताओं को बढ़ाना है।

सैन्य और रक्षा समझौतों से परे, रणनीतिक स्थान पर प्रतिस्पर्धा भी आर्थिक पहल में अंतर्निहित है। यहां उद्देश्य पारदर्शी लग सकते हैं लेकिन अनपेक्षित परिणाम अक्सर सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा करते हैं, जैसा कि चीन की विदेशी आर्थिक नीति पर दो लेखों में तर्क दिया गया है। इसलिए, अफ्रीकी देशों की एजेंसी चीन की शत्रुतापूर्ण मंशा को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण है। लेकिन डिजिटल सिल्क रोड, चीन के बेल्ट और सिल्क रोड की एक शाखा, शासन के लिए निगरानी प्रौद्योगिकियों के उपयोग का एक चीनी मॉडल भी प्रस्तुत करती है, जो साझेदार देशों की संप्रभुता और राजनीति पर प्रभाव डालती है। अधिक आशाजनक नोट पर, दो अन्य लेख इंगित करते हैं कि दो प्रतिस्पर्धी देशों के बीच सहयोग कहां संभव हो सकता है, या जहां संस्कृति दूसरे के प्रति सकारात्मक समझ पैदा करती है। एक में, लेखक 2019-2020 में टिड्डी आक्रमण के ज्वार को रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सहयोग की जांच करता है, एक आक्रमण जिसने दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा को प्रभावित किया। गौरतलब है कि सहयोग इसलिए हुआ क्योंकि दोनों खतरों से निपटने के लिए क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय तंत्र का हिस्सा थे। दूसरे में, लेखक चीनी नागरिकों के बीच भारतीय फिल्मों की आश्चर्यजनक लोकप्रियता को देखते हैं। चीनी सोशल मीडिया पर भारत के बारे में नकारात्मक प्रचार और दोनों सरकारों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद, बॉलीवुड ने भारत को युवा चीनियों से परिचित कराया है।

निकट ही, मणिपुर में जातीय हिंसा के प्रकोप ने हाल ही में भारत के उत्तरपूर्व में भौतिक स्थानों के निर्माण से जुड़े कई मुद्दों की ओर इशारा किया है। यहां एक राज्य में इसका क्या अर्थ है, इसकी चर्चा, अरुणाचल, से पता चलता है कि कैसे नीति निर्माताओं को समावेशिता को फिर से परिभाषित करने, बदलती जनसांख्यिकी और भूमि तथा संसाधनों के सामान्य और व्यक्तिगत अधिकारों के प्रति संवेदनशील होने और नाजुक जातीय संस्कृतियों में सुरक्षा और विकास को संतुलित करने की आवश्यकता है।

स्पष्ट रूप से, क्षेत्र में, इसके परे और संस्थानों के भीतर परिवर्तन की निश्चितता, प्रतिस्पर्धी प्रतिक्रियाओं को प्रेरित करती है, लेकिन जहां तत्काल मानव सुरक्षा की आवश्यकता हैं, वहां अधिक सहयोगात्मक कार्रवाइयों को छोड़ने की आवश्यकता नहीं है।

प्रो. मधु भल्ला
संपादक, भारत त्रैमासिक

भारतीय वैश्विक परिषद के बारे में

भारतीय वैश्विक परिषद (ICWA) की स्थापना 1943 में सर तेज बहादुर सप्रू और डॉ एच.एन. कुंजरू के नेतृत्व में प्रख्यात बुद्धिजीवियों के एक समूह द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर एक भारतीय परिप्रेक्ष्य बनाना और विदेश नीति के मुद्दों पर ज्ञान और सोच के भंडार के रूप में कार्य करना था। परिषद आज एक आंतरिक संकाय के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से नीति शोध करती है। यह सम्मेलनों, संगोष्ठियों, गोलमेज परिचर्चाओं, व्याख्यानों सहित बौद्धिक गतिविधियों की एक श्रृंखला नियमित रूप से आयोजित करती है और कई प्रकाशनों का प्रकाशन करती है। इसमें एक बहुत सी पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय, एक सक्रिय वेबसाइट है, और यह 'इंडिया क्वार्टरली' पत्रिका प्रकाशित करती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बेहतर समझ को बढ़ावा देने और आपसी सहयोग के क्षेत्रों को विकसित करने के लिए आईसीडब्ल्यूए ने अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों और अनुसंधान संस्थानों के साथ 50 से अधिक समझौता ज्ञापन किए हैं। परिषद की भारत में अग्रणी शोध संस्थानों, थिंक टैंकों और विश्वविद्यालयों के साथ भी साझेदारी है।

मेंटर : राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

संपादक : श्रीमती नूतन कपूर महावर, संयुक्त सचिव, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

प्रबंध संपादक : डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

सहायक संपादक : डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, अनुसंधान अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

सहायक : सुश्री अन्विति मोहिले, संयुक्त प्रबंधक, MyGov/आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

हमसे जुड़ें

/Sapru.House @ICWA_NewDelhi /ICWA_NewDelhi www.icwa.in

/company/indian-council-of-world-affairs1

आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली - 110001 द्वारा प्रकाशित समाचार पत्रक

वेबसाइट: https://www.icwa.in; दूरभाष नं 011-23317246 फैक्स नंबर 011-23310638